विभाग -१ : गदय (२०)

प्र.१) अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिएः (८)

लक्ष्मी शांत खड़ी अपने जख्मों पर तेल लगवाती रही । वह करामत अली के मित्र ज्ञान सिंह की निशानी थी । ज्ञान सिंह और करामत अली एक-दूसरे के पड़ोसी तो थे ही, **वे कारखाने में भी एक ही विभाग में काम** करते थे । प्रायः एक साथ ड्यूटी पर जाते और एक साथ ही घर लौटते ।

ज्ञान सिंह को मवेशी पालने का बहुत शौक था । प्रायः उसके घर के दरवाजे पर भैंस या गाय बँधी रहती । तीन बरस पहले उसने एक जर्सी गाय खरीदी थी। उसका नाम उसने लक्ष्मी रखा था। अधेड़ उम्र की लक्ष्मी इतना दूध दे देती थी कि उससे घर की जरूरत पूरी हो जाने के बाद बाकी दूध गली के कुछ घरों में चला जाता। दूध बेचना ज्ञान सिंह का धंधा नहीं था। केवल गाय को चारा और दर्रा आदि देने के लिए कुछ पैसे जुटा लेता था।

नौकरी से अवकाश के बाद ज्ञान सिंह को कंपनी का वह मकान खाली करना था। समस्या थी तो लक्ष्मी की। वह लक्ष्मी को किसी भी हालत में बेच नहीं सकता था। उसे अपने साथ ले जाना भी संभव नहीं था। जब अवकाश में दस-पंद्रह दिन ही रह गए तो करामत अली से कहा " मियाँ ! अगर लक्ष्मी को तुम्हें सौंप दूँ तो क्या तुम स्वीकार करोगे... ?"

मियाँ करामत अली ने कहा था " नेकी और पूछ-पूछ । भला इससे बड़ी खुशनसीबी मेरे लिए और क्या हो सकती है ?"

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

(2) मुद्दों के आधार पर आकृति पूर्ण कीजिए :

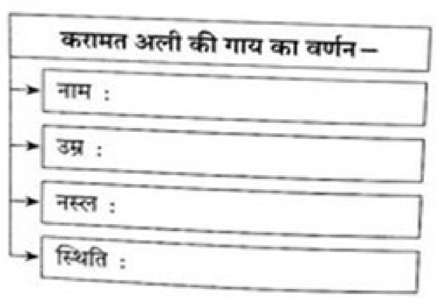

(3) निम्नलिखित शब्दों का वचन बदलकर लिखिए :

(i) निशानी (ii) समस्या (iii) भैंस (iv) जरूरत।

(4) पशुपालन के विषय पर 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए।

आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (८)

प्रिय सरोज,

जिस आश्रम की कल्पना की है उसके बारे में कुछ ज्यादा लिखूँ तो बहन को सोचने में मदद होगी, आश्रम यानी होम (घर) उसकी व्यवस्था में या संचालन में किसी पुरुष का संबंध न हो। उस आश्रम का विज्ञापन अखबार में नहीं दिया जाए। उसके लिए पैसे तो सहज मिलेंगे, लेकिन कहीं माँगने नहीं जाना । जो महिला आएगी वह अपने खाने-पीने की तथा कपडेलत्ते की व्यवस्था करके ही आए। वह यदि गरीब है तो उसकी सिफारिश करने वाले लोगों को खर्च की पक्की व्यवस्था करनी चाहिए । पूरी पहचान और परिचय के बिना किसी को दाखिल नहीं करना चाहिए ।

दाखिल हुई कोई भी महिला जब चाहे तब आश्रम छोड़ सकती है। आश्रम को ठीक न लगे तो एक या तीन महीने का नोटिस देकर किसी को आश्रम से हटा सकता है लेकिन ऐसा कदम सोचकर लेना होगा ।आश्रम किसी एक धर्म से चिपका नहीं होगा। सभी धर्म आश्रम को मान्य होंगे, अतः सामान्य सदाचार, भक्ति तथा सेवा का ही वातावरण रहेगा । आश्रम में स्वावलंबन हो सके उतना ही रखना चाहिए। सादगी का आग्रह होना चाहिए । आरंभ में पढ़ाई या उद्योग की व्यवस्था भले न हो सके लेकिन आगे चलकर उपयोगी उद्योग सिखाए जाएँ। पढ़ाई भी आसान हो । आश्रम शिक्षासंस्था नहीं होगी लेकिन कलह और कुढ़न से मुक्त स्वतंत्र वातावरण जहाँ हो ऐसा मानवतापूर्ण आश्रयस्थान होगा, जहाँ परेशान महिलाएँ बेखटके अपने खर्च से रह सकें और अपने जीवन का सदुपयोग पवित्र सेवा में कर सकें। ऐसा आसान आदर्श रखा हो और व्यवस्था पर समिति का झंझट न हो तो बहन सुंदर तरीके से चला सके ऐसा एक बड़ा काम होगा। उनके ऊपर ऐसा बोझ नहीं आएगा जिससे कि उन्हें परेशानी हो । संस्था चलाने का भार तो आने वाली बहनें ही उठा सकेंगी क्योंकि उनमें कई तो कुशल होंगी । बहन उनको संगीत की, भक्ति की तथा प्रेमयुक्त सलाह की खुराक दें।

(1) **प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए :**

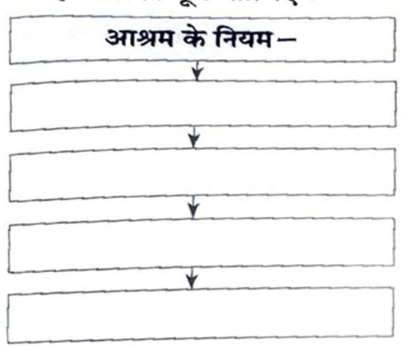

२. कारण लिखिए।

१. आाश्रम में भक्ती तथा सेवा का वातावण रहेगा......

२. संस्था चलाने का भार आने वाली बहने उठा सकेंगी......

३. निम्नलिखित शब्दों का तालिका में दी गई सूचना के, अनुसार वर्गीकरण कीजिए:

शब्द : सादगी, पढाई, परेशानी, उपयोगी।

तालिका

कृदंत शब्द	तद्धित शब्द

४. वर्तमान समास में आश्रमों की बढती हुई संख्या के बारे में अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए।

इ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (४)

मनुष्य का जीवन संसार के छोटे-बड़े प्राणियों और पदार्थों में श्रेष्ठ माना गया है। वह इसलिए कि मनुष्य बड़ा बुद्धिमान और कल्पनाशील प्राणी है। अपने विचारों के बल पर ही वह जो चाहे कर सकता है और बहुत ऊँचा उठ सकता है। परंतु विचार सच्चे, सादे और पवित्र होने के साथ-साथ मनुष्य के व्यावहारिक जीवन में संबंध रखने वाले होने चाहिए। इन्ही बातों को आधार बनवाकर 'सादा जीवन, उच्च विचार' को द्य मानव जीवन की सफलता की सीढ़ी माना गया है। सादगी मनुष्य के पहनावे से नहीं बल्कि उसके प्रत्येक हाव-भाव, विचार तथा जीवन के ढंग से टफकनी चाहिए। यही वास्तविक सादगी है, जो विचारों को भी उच्च बनाकर सब प्रकार की उन्नति और विकास का कारण बनती है।

(1) उत्तर लिखिए :

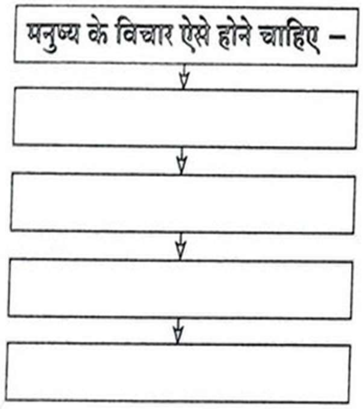

(2) 'सादा जीवन, उच्च विचार' विषय पर अपने विचार 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

विभाग- २: पद्य (१२)

प्र.२) अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (६)

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार ।
जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोक में फैला फिर आलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक ।
विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे, छिड़ा तब मधुर साम संगीत।।

(१) उचित शब्द लिखिए :

१. हिमालय –..........
२. किरण–..........

३. विमल–..........
४. कोमल –..........

(२) निम्नलिखित शब्दों के लिए पदयांश में प्रयुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए ।

१. संपूर्ण २. शोक रहित ३. संसार ४. आकाश।

३) उपर्युक्त पदयांश की प्रथम चार पंक्तियों का सरल अर्थ २५ से ३० शब्दों में लिखिए ।

प्र.२) आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: (६)

मौसम से क्या लेना मुझको ये तो आएगा-जाएगा
दाता होगा तो दे देगा खाता होगा तो खाएगा ।
कोमल भँवरों के सुर सरगम पतझारों का रोना-धोना
मुझपर क्या अंतर लाएगा पिचकारी का जादू-टोना
ओ नीलाम लगाने वालो पल-पल दाम बढ़ाने वालो
मैंने जो कर लिया स्वयं से वो अनुबंध नहीं बेचूँगा ।
अपनी गंध नहीं बेचूँगा।।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए :

(i)

(ii) 'दाता होगा तो दे देगा, खाता होगा तो खाएगा' पंक्ति से स्पष्ट होने वाला अर्थ लिखिए।

(2) पद्यांश में प्रयुक्त शब्द-युग्म ढूँढ़कर लिखिए।

(i) --------- (ii) --------- (iii) --------- (iv) -------------

(3) प्रस्तुत पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए।

<u>विभाग ३ - पूरक पठन</u> (८)

प्र.३) अ) निम्नलिखित पठित गदयांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (४)

सिरचन जाति का कारीगर है । मैंने घंटों बैठकर उसके काम करने के ढंग को देखा है। एक-एक मोथी और पटेर को हाथ में लेकर बड़े जतन से उसकी कुच्ची बनाता । फिर कुच्चियों को रँगने से लेकर सुतली सुलझाने में पूरा दिन समाप्त ।... काम करते समय उसकी तन्मयता में जरा भी बाधा पड़ी कि गेहुँअन साँप की तरह फुफकार उठता- "फिर किसी दूसरे से करवा लीजिए काम ! सिरचन मुँहजोर है, कामचोर नहीं ।" बिना मजदूरी के पेट भर भात पर काम करने वाला कारीगर ! दूध में कोई मिठाई न मिले तो कोई बात नहीं किंतु बात में जरा भी झाला वह नहीं बरदाश्त कर सकता । सिरचन को लोग चटोर भी समझते हैं । तली बघारी हुई तरकारी, दही की कढ़ी, मलाईवाला दूध, इन सबका प्रबंध पहले कर लो, तब सिरचन को बुलाओ; दुम हिलाता हुआ हाजिर हो जाएगा। खाने-पीने में चिकनाई की कमी हुई कि काम की सारी चिकनाई खत्म ! काम अधूरा रखकर उठ खड़ा होगा - "आज तो अब अधकपाली दर्द से माथा टनटना रहा है । थोड़ा-सा रह गया है, किसी दिन आकर पूरा कर दूँगा।" "किसी दिन' माने कभी नहीं ! मोथी घास और पटरे की रंगीन शीतलपाटी, बाँस की तीलियों की झिलमिलाती चिक, सतरंगे डोर के मोढ़े, भूसी - चुन्नी रखने के लिए मूँज की रस्सी के

बड़े-बड़े जाले, हलवाहों के लिए ताल के सूखे पत्तों की छतरी-टोपी तथा इसी तरह के बहुत-से काम हैं जिन्हें सिरचन के सिवा गाँव में और कोई नहीं जानता । यह दूसरी बात है कि अब गाँव में ऐसे कामों को बेकाम का काम समझते हैं लोग। बेकाम का काम जिसकी मजदूरी में अनाज या पैसे देने की कोई जरूरत नहीं । पेट भर खिला दो, काम पूरा होने पर एकाध पुराना-धुराना कपड़ा देकर विदा करो । वह कुछ भी नहीं बोलेगा ।

उत्तर लिखिए:

(i) **सिरचन को आकर्षित करने वाली चीजें –**

(ii) **सिरचन के स्वयं के बारे में विचार –**

२. कार्य में तन्मयता लाती है सफलता विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार लिखिए।

आ निम्नलिखित पठित गदयांश पढकर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए (४)

मन की पीड़ा
छाई बन बादल
बरसीं आँखें ।

चलती साथ
पटरियाँ रेल की
फिर भी मौन ।

सितारे छिपे
बादलों की ओट में
सूना आकाश ।

तुमने दिए
जिन गीतों को स्वर
हुए अमर ।

सागर में भी.
रहकर मछली
प्यासी ही रही ।

१) i) तालिका पूर्ण कीजिए:

	स्थिति	निवास-स्थान
मछली		
सितारे		

ii) उत्तर कीजिए:
१. छिपे हुए.........
२. अमर हुए......

२) मन के जीते जीत है, इस विषय पर २५ से ३० शब्दों में अपने विचार स्पष्ट कीजिए।

विभाग ४ - भाषा अध्ययन (व्याकरण) (१४)

१) अधोरेकित शब्दों का शब्द भेद पहचानकर लिखिए (१)
गोवा में खूबसूरत सागर तट है।

२) निम्नलिखित अव्ययो का अपने वाक्यो मे प्रयोग कीजिए (१)
इर्द-गिर्द

३) कृति पूर्ण कीजिए (१)

शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
प्रश्नोत्तर	....	......

४) निम्नलिखित वाक्यों से सहायक क्रियाएँ पहचानकर उनका मूल रुप लिखिए (१)
देशी और विलायती संग्रह अगर मिले तो फिर पढना चाहूँगा।

५) निम्नलिखित क्रियाओं के प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक रुप लिखिए। **(१)**

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	दवितीय प्रेरणार्थक रुप
भिगना	....	......
डोलना	....	......

६) निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखकर अपने वाक्य में प्रयोग किजिए। **(१)**
शिकार होना

अथवा

अधोरेकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए
अंजाम देना

७) निम्नलिखित वाकयों मे प्रयुक्त में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए **(१)**
तकिए से रुई नीचे गिर रही थी।

८) निम्नलिखित वाकयों मे यथास्थान उचित विरामचिन्हो का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए **(१)**
क्रिकेट खिलाडी की प्रशंसा करते हुए उन्होने कहा, एक दिन तुम देश का नाम रोशन करोगे

९) निम्नलिखित वाकयों का सूचनाओं के अनुसार काल-परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए **(२)**
मै एकाध साल का मार्जिन रखूँगा (सामान्य वर्तमानकाल)

१०) १. निम्नलिखित वाकयों का सूचनाओं के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए **(१)**
गाय सबको मारने की कोशिश करती या फिर उछलती-कूदती।

२.निम्नलिखित वाकयों का अर्थे के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार वाक्य परिवर्तन भेद कीजिए
अर्थ तो मेरी कविताओं में आपको मिल सकता है। (संदेहबोधक वाक्य)

११) निम्नलिखित वाकय शुध्द करके फिर से लिखिए **(१)**
क्रोध से उसकी नेत्र लाल हो गऐ।
अब मैं अपने टागों की ओर देखता है।

विभाग ५ - रचना विभाग (उपयोजित लेखन)

प्र.५ अ) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए :

(१) पत्रलेखन : **(५)**

रंजन/रंजना मांजरेकर, हेमेंद्र कुटीर , सुभाषचंद्र मार्ग, ठाणे से नागपुर में पढ रहे अपने छोटे भाई नीरज को परीक्षा की तैयारी हेतु पत्र लिखता/लिखती है ।

अथवा

आदित्य बोरकर,आदित्य सदन, इंदिरा नगर, कस्तूरबा गांधी मार्ग, औरंगाबाद से पुलिस इंस्पेक्टर, पुलिस स्टेशन, शिवाजी नगर, औरंगाबाद -४३१००१ को लाउड स्पीकरों के शोर से होने वाली परेशानियों की शिकायत करते हुए पत्र लिखता है।

(२) गद्य आकलन – प्रश्न निर्मिति ।

निम्नलिखित गदयांश पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए : जिनके उत्तर गद्यांश में एक-एक वाक्य में हो । **(४)**

पुस्तक का मानव जीवन में बहुत महत्त्व है । मानव ने सर्वप्रथम पुस्तक का आरंभ अपने अनुभूत ज्ञान को विस्मृति से बचाने के लिए किया था। विकास के आदिकाल में पत्ते, ताड़पत्र, ताम्रपत्र आदि साधन इस ज्ञानसंग्रह के सहायक रहे हैं, ऐसा पुस्तक का इतिहास स्वयं बताता है। पुस्तकें मानव को अपना अनुभव विस्तृत करने में सहायक होती हैं, साथ ही इन्होंने हमारे पूर्वजों के सभी प्रकार के कृत्यों को जीवित रखने की जिम्मेदारी भी सँभाली हुई है। आज के युग में प्राचीन वीरों, धार्मिक महात्माओं, ऋषियों, नाटककारों, कवियों आदि का पता हम इन्हीं पुस्तकों के सहारे पाते हैं। पुस्तकें ही अंतरराष्ट्रीय विचारक्षेत्र में विभिन्न देशों के दृष्टिकोणों को एक आधार पर सोचने के लिए बाध्य करती हैं।

आ) (१) वृत्तांत लेखन कीजिए (५)

गाला विदयालय, नाशिक - ४२२००२ के प्रांगण में मनाए बाल दिवस का ७० ो ८० शब्दों मं वृत्तांत लेखन किजिए। वृतांत मे स्थल, काल,घटना का उल्लेख अनिवार्य है।

अथवा

निम्नलिखित मुददो के आधार पर ७० से८० शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए एक सुंदर वन - इंद्र का आगमन - वन का सौंदर्य देखन - सूखे पेड पर तोते को देखना - सवाल पूछना-तोते का जबाब- इंद्र का वरदान - सीख।

(२)निम्नलिखित जानकारियों के आधार पर ५० से ६० शब्दो मे विज्ञापन लेखन (५)

इ) निबंध लेखन (७)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए । (लगभग ६० से ७० शब्द)

१. यदि रात न होती

२. मेरा प्रिय नेता